

डॉ. रोजर ग्रीन, रिफॉर्मेशन टू द प्रेजेंट, व्याख्यान 14, चार्ल्स और जॉन वेस्ले

© 2024 रोजर ग्रीन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रोजर ग्रीन अपने चर्च इतिहास पाठ्यक्रम, रिफॉर्मेशन टू द प्रेजेंट में हैं। यह चार्ल्स और जॉन वेस्ले पर सत्र 14 है।

वेस्ले के उपदेशों में से एक। यह लगभग ईसाई नामक एक उपदेश है, जहाँ वह लगभग ईसाई और पूरी तरह से ईसाई के बारे में बात करता है। तो, शुक्रवार की सुबह जॉन वेस्ले से, पूरी तरह से ईसाई होने में क्या निहित है? सबसे पहले, ईश्वर का प्रेम, क्योंकि उसका वचन इस प्रकार कहता है, तू अपने प्रभु ईश्वर से अपने पूरे दिल से, अपनी पूरी आत्मा से, अपनी पूरी बुद्धि से, और अपनी पूरी ताकत से प्रेम करेगा। ईश्वर का ऐसा प्रेम जो पूरे दिल को अपने में समाहित कर लेता है, सभी भावनाओं को अपने में समाहित कर लेता है, आत्मा की पूरी क्षमता को भर देता है, और उसकी सभी क्षमताओं का अधिकतम उपयोग करता है।

जो इस प्रकार अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम करता है, उसकी आत्मा उसके उद्धारकर्ता परमेश्वर में निरन्तर आनन्दित रहती है। उसका आनन्द यहोवा, उसके प्रभु और उसके सब कुछ में है, जिसका वह हर बात में धन्यवाद करता है। उसकी सारी इच्छा परमेश्वर और उसके नाम के स्मरण की है।

उसका हृदय हमेशा पुकारता रहता है, स्वर्ग में मेरे पास तेरे अलावा और कौन है ? और पृथ्वी पर तेरे अलावा मुझे और कोई नहीं चाहिए। वास्तव में, परमेश्वर के अलावा वह और क्या चाह सकता है? न संसार, न संसार की चीज़ें, क्योंकि वह संसार के लिए क्रूस पर चढ़ाया गया है, और संसार उसके लिए क्रूस पर चढ़ाया गया है। वह शरीर की अभिलाषाओं, आँखों की अभिलाषाओं और जीवन के अभिमान के लिए क्रूस पर चढ़ाया गया है।

हाँ, वह हर तरह के घमंड से मरा हुआ है, क्योंकि प्रेम घमंडी नहीं है, बल्कि जो प्रेम में रहता है वह ईश्वर में रहता है, और ईश्वर उसकी नज़र में कुछ भी नहीं है। ईसाई होने में निहित दूसरी बात हमारे पड़ोसी से प्रेम है। क्योंकि हमारे प्रभु ने निम्नलिखित शब्दों में कहा है, तू अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम कर।

यदि कोई पूछे, " मेरा पड़ोसी कौन है?" तो हम उत्तर देते हैं, "दुनिया का हर आदमी, उसका हर बच्चा, जो सभी प्राणियों की आत्माओं का पिता है।" न ही हम किसी भी तरह से अपने शत्रुओं, या परमेश्वर के शत्रुओं और उनकी अपनी आत्माओं को स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन हर मसीही इनसे भी अपने समान प्रेम करता है।

हाँ, जैसे मसीह ने हमसे प्रेम किया। जो कोई इस प्रेम को और अधिक अच्छी तरह से समझना चाहता है, वह सेंट पॉल के इस वर्णन पर विचार कर सकता है। यह सहनशील और दयालु है, यह

ईर्ष्या नहीं करता, यह निर्णय लेने में जल्दबाजी या जल्दबाजी नहीं करता, यह घमंडी नहीं है, बल्कि जो सबसे कम प्यार करता है उसे सभी का सेवक बनाता है।

प्रेम अपने आप में अनुचित व्यवहार नहीं करता, बल्कि सभी मनुष्यों के लिए सब कुछ उचित है। वह अपना नहीं, बल्कि दूसरों का भला चाहता है, ताकि वे बच सकें। प्रेम भड़कता नहीं, वह क्रोध को बाहर निकालता है, जो उसके पास है, जो प्रेम में सिद्ध नहीं हुआ है।

यह बुराई नहीं सोचता, यह अधर्म में आनन्दित नहीं होता, बल्कि सत्य में आनन्दित होता है। यह सब कुछ को कवर करता है, सब कुछ मानता है, सब कुछ की आशा करता है, सब कुछ सहन करता है। तो, यह वेस्ले के उपदेशों में से एक है, इस मामले में इसे लगभग ईसाई, कुल मिलाकर ईसाई कहा जाता है।

ठीक है, आज 11 अक्टूबर है, चर्च के इतिहास में एक दिलचस्प दिन। यह वह दिन है, याद रखें, हमने ज़िंंगली के बारे में बात की थी, और यह वह दिन है जब 1531 में ज़िंंगली की मृत्यु हुई थी। मुझे पता है कि आप नाश्ते के समय इसके बारे में बात कर रहे थे, इसलिए मैंने सोचा कि मैं आपको याद दिला दूँ कि आप आज ज़िंंगली की मृत्यु के बारे में बात कर रहे थे क्योंकि आज 11 अक्टूबर है, इसलिए वह वहाँ है।

शुरू करने से पहले बस कुछ बातें। सोमवार को यहाँ भीड़ हो सकती है; यह बताना मुश्किल है। यह GE दिवस है, और यह GE दिवस के लिए सूचीबद्ध कक्षाओं में से एक है, इसलिए यहाँ भीड़ हो सकती है।

हम कुछ लोगों को बुला सकते हैं। कौन जानता है? मेरा मतलब है, कभी-कभी यह खचाखच भरा होता है, और लोग फर्श पर बैठे होते हैं और सब कुछ, इसलिए यह कहना वाकई मुश्किल है। लेकिन सोमवार को, हम अपने आगंतुकों और मेहमानों के लिए सोमवार को तैयार रहेंगे। अब, जिस तरह से हमें मिला है, तो हम सोमवार को व्याख्यान देंगे, बेशक, बुधवार को व्याख्यान देंगे।

नहीं, हम बुधवार को व्याख्यान नहीं देंगे। यही मैं आपको सोमवार को बताने वाला था, लेकिन मेरे पास केवल दो दिन हैं जब मैं आपको परीक्षा की तैयारी में मदद कर सकता हूँ। तो, अगला बुधवार उनमें से एक होगा, और अगले बुधवार के लिए मेरे पास शेर हैं।

तो, हम सोमवार को व्याख्यान देंगे, और मैं आपको इसकी याद दिला दूँगा। अब, मुझे बुधवार तक प्रश्नों की आवश्यकता नहीं है क्योंकि मुझे सप्ताहांत में प्रश्नों पर काम करने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, आप बुधवार को प्रश्न ला सकते हैं।

मैं आपको सोमवार को फिर से इसकी याद दिलाऊंगा। बस उन्हें मुझे ईमेल कर दें या बुधवार को अपने साथ ले आएँ। यह ठीक रहेगा।

फिर हम शुक्रवार को नहीं मिलते, क्योंकि यह क्वाड ब्रेक है। हम सेमेस्टर के आधे रास्ते पर हैं, कोर्स के आधे रास्ते पर हैं। फिर, अगले सप्ताह, हम सोमवार और बुधवार को मिलेंगे, और फिर हम शुक्रवार का सत्र करेंगे।

आम तौर पर, अगले सप्ताह मैं शुक्रवार को सत्र करूंगा, लेकिन हम शुक्रवार को नहीं मिल रहे हैं। इसलिए, हम शुक्रवार को सत्र करते हैं, और उस सत्र के लिए, आप मुझसे पहले प्रश्न पूछ सकते हैं, और फिर परीक्षा अगले सोमवार को है। इसलिए, दूसरे घंटे की परीक्षा।

तो, हम। यह होगा, यह होगा, मुझे खेद है। हाँ, यह है। आपको सोमवार के लिए प्रश्नों की आवश्यकता नहीं है।

मैं नहीं चाहता कि आप सप्ताहांत में इस पर काम करें। मुझे खुशी है क्योंकि मैं इसे आप पर थोप रहा हूँ। आप बुधवार को चर्चा समूह में प्रश्न ला सकते हैं।

यह ठीक रहेगा। मैं वहाँ जल्दी पहुँच जाऊँगा, या मैं वहाँ थोड़ा जल्दी पहुँचने की कोशिश करूँगा। कम से कम मुझे उन्हें देखने का मौका तो मिलेगा।

मैं हमारे संदेश और बाकी सब कुछ लिखूंगा। और फिर शुक्रवार को हम नहीं मिलेंगे; आम तौर पर, मैं शुक्रवार को ऐसा करता, लेकिन हम अगले सप्ताह शुक्रवार को नहीं मिलेंगे। और फिर अगले सप्ताह, हम हमेशा की तरह शुक्रवार को मिलेंगे।

बुधवार को प्रश्न होंगे, शुक्रवार को हमारी मीटिंग होगी और फिर सप्ताह के सोमवार को परीक्षा होगी। तो, फिर हम, फिर हम यहाँ वास्तव में आगे बढ़ रहे हैं। अरे, अरे।

ठीक है। क्या कोई सवाल है? मैं आपको सोमवार को फिर से यह याद दिलाऊँगा, लेकिन चूंकि सोमवार को हमारे पास बहुत से आगंतुक आ सकते हैं, इसलिए मुझे अपने व्याख्यान को बहुत सावधानी से जारी रखना चाहिए। ठीक है।

खैर, चर्च में इंजील पुनरुत्थान। हम अब इंग्लैंड के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, इसलिए हमारे पास जर्मनी, पिएटिस्ट आंदोलन, अमेरिका और जागृति थी। अमेरिका में, हमने केवल पहले महान जागरण पर ध्यान केंद्रित किया, लेकिन हमारे पास जागृति थी।

और इंग्लैंड में, हमारे पास वेस्लेयन पुनरुद्धार था। चर्च में पुनरुत्थान के एक साथ चलने वाले आंदोलन, चर्च को फिर से जीवित कर रहे थे। और हम संख्याओं के बारे में बात कर रहे हैं, हमने एक परिचय दिया, और हमने विशेष रूप से आर्मिनियस और रेमोनस्टेंट्स के बारे में बात की, जिन्होंने रेमोनस्टेंट्स को तैयार किया, याद है? एक तरह से, उन्होंने कैल्विनवाद के कुछ हिस्सों को स्वीकार किया, लेकिन उन्होंने कैल्विनवाद के अन्य हिस्सों पर प्रतिक्रिया दी।

और इससे आपको जॉन वेस्ले के धर्मशास्त्र के बारे में थोड़ी जानकारी मिलती है। तो अब, हम अभी भी नंबर दो पर हैं, जॉन वेस्ले की जीवनी। मैं कोर्स में चार या पाँच लोगों के साथ ऐसा करता हूँ, और मैं बस आपको उनके बारे में थोड़ा जानने की कोशिश कर रहा हूँ।

तो, अब हम वेस्ली के साथ यहीं हैं। मुझे याद है कि हमने कहाँ से बात छोड़ी थी। खैर, हम इस तथ्य के बारे में बात कर रहे थे कि वह ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय में जीवन में बस गया था।

वह ऑक्सफोर्ड के लिंकन कॉलेज में पढ़ा रहे थे। वह काफी हद तक वहीं बस गए और उन्होंने सोचा कि वह अपना बाकी जीवन वहीं बिताएंगे, ग्रीक और अन्य संबंधित विषयों को पढ़ाते हुए। और फिर उन्हें एपवर्थ घर जाने के लिए फोन आया, क्योंकि उनके पिता बीमार थे, इसलिए उन्हें घर जाना पड़ा और अपने पिता की देखभाल करने में मदद करनी पड़ी, उस चर्च में जाना पड़ा और रूट के चर्च में भी जाना पड़ा।

हमने यहीं से बात छोड़ी थी। हमने बताया कि जब वह चले गए थे, तब कुछ हो रहा था। ऑक्सफोर्ड में कुछ हो रहा है, और मुझे लगता है कि हमने यहीं से बात छोड़ी थी, है न? तो, ठीक है, ईसाइयों का एक समूह और छात्रों का एक समूह ऑक्सफोर्ड में मिल रहा है।

अब, जब यह सब हो रहा था, तब जॉन बाहर थे, लेकिन ऑक्सफोर्ड में समूह के नेताओं में से एक उनके भाई, चार्ल्स वेस्ले थे, क्योंकि चार्ल्स अब तक ऑक्सफोर्ड में छात्र थे। इसलिए, चार्ल्स वेस्ले उन लोगों में से एक थे जिन्होंने इस समूह का नेतृत्व किया। और फिर एक और व्यक्ति जो इस समूह का हिस्सा था, वह था जॉर्ज व्हाइटफील्ड।

तो, याद रखें, हमने जॉर्ज व्हाइटफील्ड पर व्याख्यान दिया था, जो एक महान यात्री थे, जो अपने पुनरुत्थान के लिए सात बार यहाँ आए थे। ऑक्सफोर्ड में अन्य लोग, अन्य छात्र भी एक साथ मिलते थे। अब, हम इन बैठकों के बारे में निष्पक्ष होना चाहते हैं।

जब वे मिलना शुरू हुए, तो यह धार्मिक उद्देश्यों के लिए नहीं था। उनकी बैठक का मूल उद्देश्य एक साथ अध्ययन करना था। लेकिन उन्हें पता चला कि धार्मिक रूप से उनमें इतनी समानता थी कि यह जल्दी ही धार्मिक, धार्मिक बैठक में बदल गया।

तो, ये ऑक्सफोर्ड के छात्र थे जो प्रार्थना करने, धर्मग्रंथों का अध्ययन करने और यहां तक कि ऑक्सफोर्ड में रहने वाले गरीबों के लिए अच्छे काम करने के लिए एक साथ मिलते थे। इसलिए, ऑक्सफोर्ड के अन्य छात्रों ने उनका मज़ाक उड़ाया। उन्होंने, उन्होंने, उन्होंने वास्तव में इन लोगों का मज़ाक उड़ाया, ये कुछ लोग जो इस तरह से अध्ययन करने और प्रार्थना करने आदि के लिए एक साथ आए थे।

और उन्होंने उन्हें सभी तरह के गंदे नाम दिए। कभी-कभी, उन्हें बाइबल मॉथ कहा जाता था। खैर, आप जानते हैं, यह कोई बहुत बड़ी बात नहीं है, आप जानते हैं, मुझे थोड़ा आराम दें, बाइबल मॉथ।

याद रखें, हमने सुपररोगेशन शब्द का इस्तेमाल किया था। उन्हें याद करें, उन रोमन कैथोलिक कार्यों को याद करें जिन्हें संग्रहीत किया गया था और, आप जानते हैं, ठीक है, उन्होंने उन्हें सुपररोगेशन मैन कहा था जैसे कि वे एक साथ प्रार्थना करके अपने स्वयं के उद्धार को पाने की कोशिश कर रहे थे और इसी तरह। तो, आप जानते हैं, उनके पास ऑक्सफोर्ड में मिलने वाले इन बेचारे लोगों के खिलाफ कुछ बहुत ही अपमानजनक नाम थे।

लेकिन, लेकिन, लेकिन वे, लेकिन वे, शायद, जो अटक गया, वह कौन सा है जो अटक गया? मेथोडिस्ट वह है जो अटक गया। मेथोडिस्ट उपहास का शब्द था। वे इन लोगों का उपहास कर रहे थे।

वे विधिपूर्वक अध्ययन कर रहे थे। वे विधिपूर्वक प्रार्थना कर रहे थे। वे विधिपूर्वक अपना जीवन जी रहे थे।

हम उन्हें मेथोडिस्ट कहेंगे। और उन्होंने खुद से कहा, हम इसे सम्मान की बात मानेंगे। यह एक उपहासपूर्ण शब्द था, लेकिन हम इसे सम्मान की बात मानेंगे।

इसलिए, उन्होंने खुद को मेथोडिस्ट कहना शुरू कर दिया, किसी भी संप्रदायिक तरीके से नहीं, किसी भी तरह के औपचारिक चर्च के तरीके से नहीं, बल्कि वे एक व्यवस्थित जीवन जी रहे थे और व्यवस्थित तरीके से प्रार्थना कर रहे थे, बाइबल का व्यवस्थित तरीके से अध्ययन कर रहे थे। इसलिए, उन्होंने कहना शुरू कर दिया, ठीक है, हम खुद को मेथोडिस्ट कहेंगे। तो अब जो हुआ वह यह है कि जॉन अपने पिता के ठीक होने के बाद वापस आ गया। जॉन वापस आता है, समूह में शामिल होता है, और वास्तव में बहुत जल्दी समूह का नेता बन जाता है।

जॉन वेस्ले एक जन्मजात नेता थे। उनके नेतृत्व कौशल को समूह के अन्य लोगों ने देखा। इसलिए, वह वापस आ गए, और वह समूह के नेता बन गए, और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, कोई आश्चर्य नहीं।

मेथोडिज्म का जन्म ऑक्सफोर्ड में चार्ल्स और जॉर्ज व्हिटफील्ड, जॉन और अन्य लोगों के साथ हुआ था। तो, मेथोडिस्ट आंदोलन है, जो अंततः एंग्लिकन चर्च के भीतर सुधार के आंदोलन के रूप में आकार लेगा। तो, लेकिन यहीं से इसकी शुरुआत हुई।

यह सब ऑक्सफोर्ड से शुरू हुआ। तो, ठीक है। एक और बात जिस पर हम ध्यान देना चाहते हैं, और हम यहाँ सिर्फ कुछ जीवनी संबंधी विवरण दे रहे हैं, लेकिन एक और बात जिस पर हम ध्यान देना चाहते हैं वह है 1735 की घटना।

वह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण समय था, 1735. मैं यहाँ नीचे दिए गए नाम को देखूँगा. अभी के लिए भूल जाइए; फ्रांसिस एस्बरी का नाम भूल जाइए.

जनरल जॉर्ज ओगलथोरपे को ही देख लीजिए। तो, उस नाम पर नज़र डालिए और वहाँ दी गई तारीखों पर नज़र डालिए। जनरल, ओगलथोरपे के बारे में लंबी कहानी संक्षेप में।

ओगलथोरपे जॉर्जिया के दूसरे अभियान पर अमेरिका जा रहे थे, जहाँ एक कॉलोनी स्थापित की गई थी। इसलिए जनरल जॉर्ज ओगलथोरपे अमेरिका जा रहे हैं, और फिर से, वे एक बार वहाँ जा चुके थे, जॉर्जिया में कॉलोनी की स्थापना जारी रखने में मदद करने के लिए अमेरिका जा रहे थे। संक्षेप में, उन्होंने जॉन और चार्ल्स वेस्ली को अपने साथ जॉर्जिया जाने के लिए मना लिया।

इसलिए, जॉन ने फैसला किया कि वह इस मिशनरी प्रयास पर जाएगा। वह पादरी के रूप में गया, और चार्ल्स सचिव के रूप में गया। इसलिए, जॉन और चार्ल्स वेस्ली सब कुछ पीछे छोड़ देते हैं, और वे जनरल ओगलथोरोपे के साथ जॉर्जिया के लिए निकल पड़ते हैं।

वे मिशनरी हैं। अब मिशनरी आंदोलन वास्तव में यहाँ बहुत आगे नहीं बढ़ा है, लेकिन वे, एक तरह से, खुद को नई दुनिया के मिशनरी मानते हैं। तो, पादरी, सचिव, हम चलते हैं।

ठीक है, कहानी को संक्षेप में कहें तो, जॉर्जिया के रास्ते में एक प्राकृतिक घटना घटती है जो जॉन वेस्ले को डरा देती है। और वह यह कि समुद्र में एक बहुत बड़ा तूफान आया। और, जैसा कि हम पहले ही कह चुके हैं कि उस दुनिया में समुद्र पार जाना वैसे भी बहुत खतरनाक यात्रा थी।

मेरा मतलब है, यह बहुत ही खतरनाक यात्रा थी, आप अपनी जान जोखिम में डालते हैं, आप जानते हैं, जैसा कि हमने कहा, आप ब्रिटिश एयर पर नहीं हैं, समुद्र पार करते समय चाय का आनंद नहीं ले रहे हैं। तो, यह एक बहुत ही खतरनाक यात्रा थी। जॉन, एक जबरदस्त तूफान आया, और जॉन ने खुद को मौत के डर में पाया।

और इसलिए, क्या वह अपने निर्माता से, आप जानते हैं, न्याय के तहत मिलेगा, या वह अपने निर्माता से अनंत जीवन में मिलेगा? वह नहीं जानता था। वह उस अनुभव से बहुत भयभीत था। यह उसके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गया क्योंकि जहाज पर लोगों का एक समूह था जो इस तथ्य के बावजूद कि ऐसा लग रहा था कि जहाज डूबने वाला था, प्रार्थना कर रहे थे और भजन गा रहे थे।

और लोगों का यह समूह मोरावियन था। अब, याद कीजिए जब हमने पीटिस्टों के बारे में बात की थी, तब हमने मोरावियनों के बारे में बात की थी। और याद कीजिए हमने काउंट निकोलस लुडविग वॉन ज़िंज़ेंडोर्फ के नेतृत्व में मोरावियनों के गठन का उल्लेख किया था।

खैर, ये मोरावियन भी मिशनरी के तौर पर जा रहे थे, लेकिन वे भजन गा रहे थे और प्रार्थना कर रहे थे, और वहाँ परिवार भी थे। यहाँ सिर्फ कुछ वयस्क पुरुष ही नहीं थे। ये पुरुष, महिलाएँ और बच्चे हैं, और वे एक साथ हैं, और वे भजन गा रहे हैं और प्रार्थना कर रहे हैं।

और वेस्ली इन ईसाइयों से इतना प्रभावित हुआ, जो मौत के सामने भी इतने शांत थे कि उसने फैसला किया कि जब वह जॉर्जिया पहुंचेगा तो वह मोरावियन लोगों से पूछताछ करेगा, जो उसने किया क्योंकि उसके पास कुछ ऐसा था जो उसके पास नहीं था। इसलिए जहाज ने सब ठीक कर दिया। हम जॉर्जिया पहुँचे, और वह, मोरावियन लोगों द्वारा गवाही दी गई।

तो, वह जॉर्जिया पहुँच गया। तो, ठीक है। जॉर्जिया में उसके समय के बारे में संक्षेप में कहानी।

जॉर्जिया में उनका समय दो साल से भी कम रहा, और वे बहुत निराश थे। और मैं बस इतना ही कहूँगा, मैंने पहले ही कहा था कि मुझे इस पर अपना समय देखना होगा क्योंकि हम हमेशा और दिसंबर के अंत तक वेस्ले के बारे में कहानियाँ सुनाते रह सकते हैं। इसलिए, मुझे सावधान रहना होगा।

तो, संक्षेप में, जॉर्जिया में उसका समय एक आपदा था, एक पूरी तरह से 100% आपदा। और इसका एक कारण यह भी था कि उसे जॉर्जिया में एक महिला से प्यार हो गया था जो वहीं थी। उसने उसके प्यार का बदला नहीं चुकाया।

उसने किसी और से शादी कर ली, और उसने उसे और उसके पति को भोज देने से मना कर दिया क्योंकि वह एक एंग्लिकन पादरी था। उसने, पादरी ने, उन्हें भोज देने से मना कर दिया, जो कानून के विरुद्ध था। वे उस पर मुकदमा चलाने वाले थे।

इसलिए, उसने शहर से बाहर जाने का फैसला किया। इसलिए, जॉर्जिया में उसका समय बहुत ही दुखद रहा, और वह एक डायरी रखता था। वह डायरी और जर्नल के लिए मशहूर है।

उनकी डायरी बहुत बड़ी है। और जब उन्होंने तय किया कि मुझे घर लौटना है, तो उन्होंने क्या कहा। उन्होंने कहा, मैं भारतीयों को धर्मांतरित करने के लिए अमेरिका गया था, लेकिन ओह, मुझे कौन धर्मांतरित करेगा? कौन? वह कौन है जो मुझे अविश्वास के इस बुरे दिल से मुक्ति दिलाएगा? मेरे पास एक अच्छा ग्रीष्मकालीन धर्म है।

मैं अच्छी तरह से बात कर सकता हूँ, बल्कि, और खुद पर भरोसा कर सकता हूँ कि कोई खतरा निकट नहीं है, लेकिन मौत को मेरा सामना करने दो। मेरी आत्मा व्याकुल है। मुझे मृत्यु के इस भय से कौन मुक्त करेगा? इसलिए वह जॉर्जिया में अपने समय के कारण बहुत उदास अवस्था में था, और उसने घर जाने का फैसला किया।

वैसे, चार्ल्स उसके घर जाने के तुरंत बाद ही उसके पीछे चला गया। तो, यह इन दोनों के लिए एक बड़ी आपदा थी। और, उन्हें घर जाना पड़ा।

इसलिए, वह घर जाता है और भाषा पर ध्यान देता है। मेरे पास एक अच्छा ग्रीष्मकालीन धर्म है। मेरे पास अविश्वास का एक दुष्ट हृदय है।

इस आदमी की भाषा पर ध्यान दें। जब वह यह लिख रहा है तो वह एक एंग्लिकन पादरी है। इसलिए वह घर चला जाता है।

ठीक है। 1738 में लंदन वापस आ गया। तो, वह वहाँ सिर्फ़ दो साल रहा।

ठीक है। अब, यहाँ कुछ और बातें हैं। चर्च के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण तारीखों में से एक 24 मई, 1738 है।

आपको इसे लिख लेना चाहिए क्योंकि हो सकता है कि आप अपने जीवनकाल में इसे फिर से देखें, 24 मई, 1738। कुछ साल पहले, क्रिश्चियन हिस्ट्री मैगज़ीन नामक एक पत्रिका थी। और, वे चर्च के इतिहास की सौ सबसे महत्वपूर्ण तारीखों पर लेख लिख रहे थे, और वे 24 मई, 1738 पर एक लेख चाहते थे, और उन्होंने मुझे लेख लिखने के लिए कहा।

तो, मुझे खुशी हुई कि उन्होंने मुझे यह लिखने के लिए कहा, आप जानते हैं, इसलिए मैंने वेस्ले पर लेख लिखा। यह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था, 24 मई, 1738। ठीक है।

संक्षेप में, 24 मई, 1738 को, वह लंदन में एल्डर्सगेट स्ट्रीट पर एक सभा में किसी उपदेशक को सुनने जा रहा था। इसलिए, सभा के रास्ते में, वह सेंट पॉल कैथेड्रल में रुका, और वह सेंट पॉल में शाम के गीत के लिए वहाँ गया, और फिर वह शाम को मोरावियन द्वारा आयोजित एक सभा में गया। अब, यह उसके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, और यही वह अपनी डायरी में कहता है।

शाम को, मैं बहुत अनिच्छा से एल्डर्सगेट स्ट्रीट में एक समाज में गया, जहाँ एक व्यक्ति रोमनों के लिए पत्र के लिए लूथर की प्रस्तावना पढ़ रहा था। लगभग सवा नौ बजे, जब वह मसीह में विश्वास के माध्यम से हृदय में ईश्वर द्वारा किए जाने वाले परिवर्तन का वर्णन कर रहा था, तो मुझे लगा कि मेरा हृदय अजीब तरह से गर्म हो गया है। यह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

यह उनके जीवन में एक बड़ा मोड़ था क्योंकि ऐसा नहीं था कि वे ईसाई नहीं थे। वे ईसाई थे, लेकिन उन्होंने अपने ईसाई धर्म को, जैसा कि वे कहते हैं, एक निष्पक्ष ग्रीष्मकालीन धर्म के रूप में देखा। इसलिए वे तकनीकी रूप से धर्मांतरित नहीं थे।

यह उनका धर्म परिवर्तन का अनुभव नहीं है। जैसा कि कुछ लोग कभी-कभी कहते हैं, वेस्ली का धर्म परिवर्तन 24 मई, 1738 को हुआ था। यह उनका धर्म परिवर्तन का अनुभव नहीं था।

वह आस्तिक तो नहीं बन गया। लेकिन उसे आश्वासन मिला। इसलिए, आश्वासन का यह महान अनुभव उसे मिला।

अब, एक बहुत ही रोचक बात। यह उनके भाई के साथ हुआ, जिसे भी ऐसा ही अनुभव हुआ था, न तो उसी जगह पर और न ही उसी भाषा में, लेकिन उनके भाई चार्ल्स को तीन दिन पहले ऐसा ही अनुभव हुआ था। और, और उनके भाई चार्ल्स, जिन्होंने अपने जीवनकाल में 6,000 भजन लिखे थे, ने उस आश्वासन अनुभव के बारे में एक भजन लिखा।

और अब यहाँ जॉन वेस्ली को यह आश्वासन दिया जा रहा है कि वह ईश्वर का बच्चा है। अब, आइए एक मिनट के लिए रिफॉर्मेशन पर वापस जाएँ। एक अर्थ में, रिफॉर्मेशन की सबसे बड़ी लड़ाइयों में से एक क्या थी? यह आश्वासन का सिद्धांत था।

सुधार के दिनों में सबसे बड़ी समस्या यह थी कि लोग यह सुनिश्चित नहीं कर पाते थे कि वे ईश्वर की संतान हैं। अब, एक तरह से, वेस्ली के जीवन में, यह सब फिर से हो रहा है। वह यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा था कि वह ईश्वर की संतान है।

वह निश्चित होना चाहता था, लेकिन वह निश्चित नहीं हो सका कि वह ईश्वर का बच्चा है। उस रात उसे आश्वासन मिला। तो, 24 मई, 1738 को, आप इसे अपने जीवनकाल में फिर से देखेंगे।

यह उनके आश्वासन का समय है। और यह वेस्लेयन पुनरुद्धार की शुरुआत है क्योंकि यहीं से वह खुद को पूरी तरह से पुनरुद्धार के लिए समर्पित कर देता है, लोगों को मसीह में जीवित करने के

लिए और इसी तरह। तो, अगले 53 साल या उससे भी ज़्यादा समय तक, वेस्लेयन पुनरुद्धार होता है।

और, जॉन वेस्ले इसका एक हिस्सा है। उनके निजी जीवन के संदर्भ में, 24 मई, 1730 के बाद, मेरा मतलब है, उनके निजी जीवन में संघर्ष थे, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनके निजी जीवन में दो अन्य महिलाओं के साथ संघर्ष था।

और, मुझे लगता है कि मेरे पास, खैर, वैसे भी, एक, एक महिला के बारे में एक दिलचस्प कहानी है। ओह, यह सही है। मैं आपको अपने बारे में एक कहानी बताना चाहता था, मुझे लगा कि मेरा दिल गर्म है, लेकिन मैं आपको एक मिनट में बताऊंगा।

एक महिला जिससे वह सच में प्यार करता था। मेरा मतलब है, यह उसके जीवन का प्यार बनने जा रहा था, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन उसने और उसके भाई ने एक दूसरे के साथ एक अनुबंध किया था कि जब तक भाई शादी के लिए सहमत नहीं होता, तब तक शादी नहीं होगी।

तो, एक लंबी कहानी संक्षेप में, यह ग्रेस मरे के बारे में है, और जॉन उससे प्यार करता है। जॉन ने फैसला किया कि मैं इस महिला से शादी करना चाहता हूँ। इसलिए, जॉन अपने घोड़े पर सवार हो गया, और वह गाड़ी चलाकर उस गाँव में गया जहाँ ग्रेस मरे थी, लेकिन चार्ल्स शादी के लिए सहमत नहीं हुआ।

तो चार्ल्स ने ग्रेस मरे की शादी तय की, और ग्रेस मरे की शादी चार्ल्स के ज़रिए पहले ही तय कर दी गई, आप जानते हैं, कुछ दिन पहले, जॉन आता है, और ग्रेस की शादी हो जाती है। तो, यह अजीब था। तो फिर उसने, हाँ, इस तरह से आपका दिल तोड़ दिया।

ये कहानियाँ बताती हैं कि कैसे उन्होंने मैरी बेज़ाइल नाम की एक महिला से शादी की। मुझे ठीक से नहीं पता कि मुझे उसका अंतिम नाम कैसे उच्चारण करना है। उन्होंने मैरी बेज़ाइल नाम की एक महिला से शादी की।

और, यहाँ कोई भी, यहाँ कोई भी फ्रेंच भाषा नहीं जानता, मुझे उच्चारण में मदद करें। क्या आप कर सकते हैं? मुझे अभी ठीक से पता नहीं है। इसलिए उसने उससे शादी कर ली, एक बहुत दुखद शादी।

मैरी ने आखिरकार उसे छोड़ दिया, और उनका कभी तलाक नहीं हुआ, लेकिन वह शादी से बाहर चली गई, और जॉन ने मामले में मदद नहीं की क्योंकि, जिस दिन वह चली गई, उसने अपने भाई से लैटिन में कहा, ये लोग लैटिन को अंग्रेजी की तरह बोलते हैं। इसलिए, उसने अपने भाई से लैटिन में कहा, मैंने उसे रहने के लिए नहीं कहा। मैंने उसे जाने के लिए नहीं कहा।

मैं उसे वापस आने के लिए नहीं कहूँगा। और उसे तो यह भी नहीं पता था कि वह किस दिन मरी। चार्ल्स को उसकी मौत की खबर उसे देनी पड़ी।

उसने उसे फिर कभी नहीं देखा। तो यह वाकई दुखद था, ओह, इस शादी का दिल टूटना, आप जानते हैं, इत्यादि। जॉन के साथ भी ऐसा ही हुआ, लेकिन फिर भी, पुनरुद्धार जारी है।

मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए; बस एक मिनट में उस दिल को छू लेने वाली कहानी पर वापस आने के लिए खुद को याद दिलाना है। हम, मैं भूल गया, लेकिन वैसे भी, मुझे इसे खत्म करने दें। तो जॉन ने जो कुछ किया, उनमें से एक यह था कि उसने भेजा, वह चाहता था, ओह, अब बस एक अनुस्मारक, मेथोडिस्ट आंदोलन जॉन के लिए एक संप्रदाय नहीं है।

कभी नहीं, कभी नहीं, कभी नहीं एक संप्रदाय। यह एंग्लिकन चर्च के भीतर एक पुनरुद्धार आंदोलन है। इसलिए, इसलिए, यह प्यूरिटन की तरह है, शुरुआती प्यूरिटन, वे अलगाववादी नहीं थे।

वे एंग्लिकन चर्च में सुधार और नवीनीकरण ला रहे थे। जॉन के साथ भी ऐसा ही है कि वह एंग्लिकन चर्च में नवीनीकरण लाता है। वह एक मेथोडिस्ट है लेकिन एक एंग्लिकन है; वह एक एंग्लिकन पादरी के रूप में मर गया।

अब, एक काम जो वह करता है वह है अमेरिका में मिशनरियों को भेजना। मिशनरियों में सबसे प्रसिद्ध फ्रांसिस एस्बरी नामक व्यक्ति था। अब, फ्रांसिस एस्बरी के इतने प्रसिद्ध होने का कारण यह है कि क्रांतिकारी युद्ध से पहले आठ मिशनरियों के आने के बाद फ्रांसिस एस्बरी अमेरिका में ही रहे।

फ्रांसिस एस्बरी क्रांतिकारी युद्ध के बाद भी यहीं रहे। बाकी सभी सात लोग घर चले गए। और फ्रांसिस एस्बरी एक घुमंतू मंत्री बन गए, घुमंतू पुनरुत्थानवादी, जिन्होंने पूरे देश में मेथोडिज्म को फैलाया, ठीक वैसे ही जैसे जॉन वेस्ले ने इंग्लैंड में किया था।

इसलिए फ्रांसिस एस्बरी वास्तव में अंग्रेजी और अमेरिकी मेथोडिज्म में एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गए। अब, जॉन वेस्ले चाहते थे कि फ्रांसिस एस्बरी को नियुक्त किया जाए। इसलिए उन्होंने थॉमस कोक नाम के एक व्यक्ति को नियुक्त करने के लिए एक पादरी को भेजा।

अब, थॉमस कोक एक एंग्लिकन पादरी थे, और उन्हें जॉन वेस्ले का आशीर्वाद प्राप्त था। उन्होंने थॉमस कोक को फ्रांसिस एस्बरी को एंग्लिकन पादरी नियुक्त करने के लिए भेजा। और यह उस नियुक्ति की तस्वीर है।

इसे क्रिसमस सम्मेलन इसलिए कहा गया क्योंकि यह क्रिसमस की पूर्व संध्या पर हुआ था। और जैसा कि आप देख सकते हैं, सफेद लबादे में जो व्यक्ति घुटनों के बल बैठा है, वह जॉन फ्रांसिस एस्बरी है। सफेद लबादे में जो व्यक्ति है, वह थॉमस कोक है, जो फ्रांसिस एस्बरी को मंत्रालय के लिए नियुक्त कर रहा है।

अब यह था, अब इंग्लैंड में एंग्लिकन चर्च इस बात से बहुत नाखुश था। अब सवाल यह है कि वे एक एंग्लिकन पादरी द्वारा इस नियुक्ति से नाखुश क्यों थे, जिसे एंग्लिकन पादरी के रूप में जॉन वेस्ले का आशीर्वाद प्राप्त था? क्यों, आपको क्या लगता है कि एंग्लिकन प्रतिष्ठान इस बात से

इतना परेशान क्यों था? एंग्लिकन परंपरा में लोगों को कौन नियुक्त करता है? बिशप, केवल बिशप। जॉन वेस्ले बिशप नहीं हैं।

थॉमस कोक बिशप नहीं हैं। और यहाँ वे फ्रांसिस एस्बरी को नियुक्त कर रहे हैं। अब, इसका कारण यह है कि जॉन वेस्ले ने कहा, जहाँ तक मेरा सवाल है, जब मैं नया नियम पढ़ता हूँ, तो बिशप एल्डर या पादरी या प्रेस्बिटर से अलग नहीं होता।

मेरा मतलब है, बिशप भी इससे अलग नहीं है। इसलिए, मेरे पास बिशप के सभी अधिकार और जिम्मेदारियाँ हैं। मैं नहीं समझता, मैं उनके द्वारा किए जा रहे भेद को नहीं पहचानता।

इसलिए कभी-कभी जॉन वेस्ली को चर्च की राजनीति पर थोड़ी बहस करनी पड़ती थी, यहाँ तक कि अपने खुद के एंग्लिकन चर्च के साथ भी। लेकिन किसी भी मामले में, फ्रांसिस एस्बरी को नियुक्त किया गया है और वह यहाँ अमेरिका में इस महान मंत्रालय को आगे बढ़ा रहे हैं। वह जॉन वेस्ली की तरह ही घुमक्कड़ थे।

वह घुमंतू मंत्रालय बहुत दिलचस्प है। शायद मैं उसके बारे में एक छोटी सी कहानी बताऊँ। मैं नहीं बता सकता, मैं नहीं बता सकता।

ठीक है। मैं इसका विरोध नहीं कर सकता। ठीक है।

जॉन वेस्ले की मृत्यु 1791 में हुई। और यहाँ 1791 में उनकी मृत्युशय्या पर जॉन वेस्ले की एक तस्वीर है। वह अपना अंतिम पत्र लिख रहे हैं, जो उन्होंने कभी लिखा था।

और यह रहा। और यह पत्र एक आदमी को लिखा गया था। मैंने उसका नाम नहीं लिखा।

इस कोर्स के लिए हमें उन्हें जानने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन एक पत्र विलियम विल्बरफोर्स नाम के एक व्यक्ति को लिखा गया था। अब, आप विलियम विल्बरफोर्स को किस लिए जानते हैं? हाँ। इंग्लैंड में गुलामी के उन्मूलनवादियों के लिए।

और वेस्ले 1791 में अपनी मृत्युशय्या पर थे। अब, इंग्लैंड में अभी भी गुलामी प्रथा है। मुझे लगता है कि इसका उन्मूलन 1807 तक नहीं हुआ था।

लेकिन वह विलियम विल्बरफोर्स को पत्र लिख रहे हैं, गुलामी उन्मूलन पर उनके काम के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने पत्र में इसे कहा; उन्होंने गुलामी को खलनायकों में सबसे खलनायक कहा। इसलिए, उन्होंने जो आखिरी पत्र लिखा वह विलियम विल्बरफोर्स को था, जिसमें उन्होंने उन्मूलनवाद के मुद्दे पर उन्हें प्रोत्साहित किया था।

मैं आपको दो छोटी-छोटी कहानियाँ सुनाता हूँ। मैं इसे रोक नहीं सकता। तो, इसका किसी भी चीज़ से कोई लेना-देना नहीं है।

इसलिए, कोई संबंध जोड़ने की कोशिश भी मत करो। जॉन के बारे में यहाँ दो छोटी कहानियाँ हैं। एक यह कि उसने अपने पुनरुत्थान के समय में घोड़े पर सवार होकर लगभग 250,000 मील की यात्रा की। और वह, वह दिन का एक मिनट भी बर्बाद करने वाला व्यक्ति नहीं था।

तो उसने काठी के लिए एक खास चीज बनवाई थी। यह काठी के ठीक ऊपर जाती थी। मैंने इसे इंग्लैंड में वेस्ले के घर में देखा है, और यह काठी के ठीक ऊपर जाती थी।

और यह एक छोटा सा पोटिया डेस्क था जो काठी के ठीक ऊपर था। यह खुला हुआ था। इसमें लिखने के लिए कागज़, उसकी बाइबल, और ऐसी ही दूसरी चीज़ें थीं।

और इसलिए जब वह अपने घोड़े पर सवार होता था, तो एक मिनट भी बर्बाद किए बिना, जॉन वेस्ली अपनी किताबें निकालता था, अपनी किताबें पढ़ता था, पत्र लिखता था, और इसी तरह वह एक जगह से दूसरी जगह जाता था। वह इस बात का इतना आदी हो गया था कि उसने अपने घर में एक काठी, एक कुर्सी बनाई जो काठी जैसी ही थी। और जब वह अपने घर और अपने अध्ययन कक्ष में होता था, तब भी वह काठी पर बैठकर उस छोटी सी मेज पर पढ़ता था।

तो इस तरह से उन्होंने पढ़ाई की। और इसी तरह से उन्होंने बहुत कुछ लिखा, बेशक, और वे सभी उपदेश और सब कुछ। यह बहुत दिलचस्प है।

मुझे लगता है कि यह दिलचस्प है। लेकिन मैं आपको बता दूँ, मैं एक दिल को छू लेने वाली कहानी सुनाता हूँ, और फिर मैं महत्वपूर्ण बातों पर वापस आऊंगा। लेकिन मैं एस्बरी थियोलॉजिकल सेमिनरी गया था।

ठीक है। तो यह आपको कुछ बताता है। और वैसे, अगर आप कभी एस्बरी थियोलॉजिकल सेमिनरी, एस्बरी कॉलेज जाते हैं, तो आपको फ्रांसिस एस्बरी की बहुत सारी तस्वीरें देखने को मिलेंगी।

तो, और आप यह तस्वीर भी देखने जा रहे हैं जो हमने उसे दीक्षा लेते हुए दिखाई थी। तो, फ्रांसिस एस्बरी की बहुत सारी तस्वीरें। तो चलिए बस इतना ही कह सकते हैं कि एस्बरी थियोलॉजिकल सेमिनरी में, वे इन सभी चीज़ों को बहुत गंभीरता से लेते हैं।

तो, मैं केंटकी के बीच में एक सेमिनरी में था, वैसे। तो यह विल्मोर, केंटकी में है। और जब मैं सेमिनरी में था, तो बर्फबारी हुई, जो केंटकी के लिए असामान्य है, लेकिन बर्फबारी हुई।

हमारे यहाँ बहुत अच्छी बर्फबारी हुई। और एस्बरी के कुछ छात्रों ने जॉन वेस्ले की हूबहू शक्ल का एक बर्फ का आदमी बनाया। यह बिल्कुल जॉन वेस्ले जैसा दिख रहा था।

वैसे, जॉन वेस्ली की लंबाई केवल पाँच फ़ीट थी और उसका वज़न लगभग 105 पाउंड था। तो, वह लगभग इतना ही लंबा था। इसलिए, उन्होंने इसे बिल्कुल जॉन वेस्ली जैसा बना दिया।

और सेमिनरी के प्रोफेसर जो इस बात को गंभीरता से लेते हैं, उन्हें यह बिल्कुल भी मज़ाक नहीं लगा। मेरा मतलब है, वे इस बात से हैरान थे कि जॉन वेस्ले, स्त्रोमैन, सेमिनरी के सामने वाले यार्ड में खड़ा था। और फिर कुछ दिनों बाद, सूरज निकल आया।

वेस्ले पिघलने लगता है। कुछ छात्रों ने एक बड़ा सा चिन्ह बनाया और उसे जॉन वेस्ले के ठीक बीच में चिपका दिया। मुझे लगा कि मेरा दिल अजीब तरह से गर्म हो गया है।

और फिर पुराने प्रोफेसरों ने जो पहले स्त्रोमैन को मज़ेदार नहीं समझा था, जब उन्होंने जॉन वेस्ले के ठीक बीच में वह साइन देखा, तो मेरा दिल अजीब तरह से गर्म हो गया। नहीं, यह काम नहीं करेगा। मेरा मतलब है, ऐसा नहीं होने वाला है।

इसलिए, यह आश्चर्य की बात है कि उन्होंने हम सभी को नहीं हटाया। और मैं इसका हिस्सा नहीं था, मैं इसकी गारंटी देता हूँ। लेकिन जब मैं हम कहता हूँ, तो मेरा मतलब पूरे छात्र समुदाय से है।

यह आश्चर्य की बात है कि उन्होंने हम सभी को बाहर नहीं फेंक दिया। लेकिन मुझे लगा कि मेरा दिल अजीब तरह से गर्म हो गया है। तो जॉन वेस्ले है, उसका जीवन है।

क्या जीवन था, क्या दिलचस्प जीवन था। हम एक मिनट में उनके धर्मशास्त्र पर चर्चा करेंगे। ठीक है, तो क्या उनके जीवन के बारे में कोई सवाल है? क्या आप जॉन वेस्ली के जीवन में रुचि रखते हैं? आकर्षक साथी ने मेथोडिज्म के माध्यम से इंग्लैंड में महान पुनरुत्थान लाया, इसमें कोई संदेह नहीं है।

लेकिन उन्होंने कभी भी मेथोडिज्म को संप्रदाय बनाने का इरादा नहीं किया। 1791 में उनकी मृत्यु के दिन कोई मेथोडिस्ट संप्रदाय नहीं था। वे उनकी मृत्यु के बाद उभरे।

ठीक है, अब आइए तीसरे नंबर पर नज़र डालें, जॉन वेस्ले का धर्मशास्त्र। और जिस कारण से हम इसे देख रहे हैं, जिस कारण से यह महत्वपूर्ण है, वह यह है कि अब हम एक बहुत ही मजबूत कैल्विनवादी धर्मशास्त्र का प्रतिसंतुलन देख रहे हैं जिसे हमने अब तक पाठ्यक्रम में देखा है, यहाँ-वहाँ कुछ हद तक कुछ बारीकियों के साथ।

लेकिन अब हम इसका संतुलन देखेंगे। और फिर हम देखेंगे कि इन लोगों के इस तरह के धार्मिक कार्यक्रमों के साथ हम भविष्य में कहाँ पहुँचते हैं। तो हम क्या करने जा रहे हैं, आप देख सकते हैं, मैंने यहाँ पाँच चीज़ें बताई हैं।

सबसे पहले, हम वेस्लेयन चतुर्भुज का उल्लेख करने जा रहे हैं, ठीक है? अब, वेस्लेयन चतुर्भुज, क्या आप में से किसी ने, क्या आप में से किसी ने कोर कोर्स में ईसाई धर्मशास्त्र में इसका उल्लेख किया है? क्या उन्होंने कोर कोर्स में इसका उल्लेख किया है? हम कोर कोर्स में इसका उल्लेख करते हैं। हम कोर कोर्स में एक तरह का सामान्य आधार खोजने की कोशिश कर रहे हैं। संक्षेप में, वेस्लेयन चतुर्भुज एक ऐसा शब्द नहीं है जिसका इस्तेमाल जॉन वेस्ले ने खुद किया हो।

यह एक विद्वान शब्द है जो शास्त्रों को समझने के उनके तरीके पर आधारित है। इसलिए, जब मैं ईसाई धर्मशास्त्र का पाठ्यक्रम पढ़ाता हूँ, तो मैं हमेशा कहता हूँ कि वेस्लेयन चतुर्भुज एक स्टूल की तरह है जिसके तीन पैर हैं। इसलिए, यह बाइबल को समझने का एक तरीका है।

तो जाहिर है, कुर्सी की सीट पवित्र शास्त्र, बाइबल है। सवाल वेस्ली के लिए है: आप बाइबल को कैसे समझते हैं? आप बाइबल की व्याख्या कैसे करते हैं? और उसके लिए, बाइबल की व्याख्या करने के तीन तरीके थे। सबसे पहले, तर्क।

आप उस दिमाग का इस्तेमाल करते हैं जो भगवान ने आपको दिया है। लेकिन यह कोई सख्त तर्कसंगतता नहीं है। यह विद्वान लूथरन या उस जैसी किसी चीज की तर्कसंगतता नहीं है।

यह मन का उपयोग है, लेकिन साथ ही परमेश्वर मन को प्रबुद्ध करता है ताकि हमें बाइबल को समझने में मदद मिले। कभी-कभी, हम पूरी तरह से या पूरी तरह से नहीं समझ पाते हैं, हम उन्हें तर्कसंगत नहीं बना पाते हैं, लेकिन हमें अपने दिमाग का उपयोग करना पड़ता है। परमेश्वर ने हमें सोचने के लिए अपना दिमाग दिया है, और हमें अपने दिमाग का उपयोग करना पड़ता है।

और फिर दूसरी बात, परंपरा। जॉन वेस्ली परंपरा से बहुत प्रभावित थे। आरंभिक चर्च से लेकर अब तक चर्च ने क्या सिखाया है? यही मैं जानना चाहता हूँ।

सामान्य तौर पर, जॉन वेस्ले ने सुधार को प्रारंभिक चर्च की ओर देखा क्योंकि उनका ध्यान प्रारंभिक चर्च, प्रारंभिक चर्च ने क्या सिखाया और चर्च की पहली सात परिषदों ने क्या सिखाया, इस पर था। इसलिए परंपरा से, वह अक्सर प्रारंभिक चर्च के बारे में बात कर रहे हैं। इसलिए परंपरा महत्वपूर्ण है।

प्रारंभिक चर्च के पिता बाइबल और अन्य बातों को कैसे समझते थे? यह वास्तव में महत्वपूर्ण हो जाता है। अब, अगर वह सिर्फ एक अच्छा एंग्लिकन होता, तो वह यहीं रुक जाता क्योंकि, उसके समय के एंग्लिकन के लिए, कोई चतुर्भुज नहीं था; एक त्रिपक्षीय था। शास्त्र था, और फिर तर्क और परंपरा ने हमें शास्त्रों को समझने में मदद की।

लेकिन वेस्ली अपनी धारणा का विस्तार करते हैं, और वे अनुभव को सामने लाते हैं। कभी-कभी, हृदय हमें बताता है कि शास्त्र क्या कहता है। कभी-कभी हमारा अपना अनुभव हमें बताता है कि बाइबल के बारे में क्या सच है।

इसलिए, वह यहाँ पूरी कहानी में अनुभव को लाता है। अब, आपको वेस्ली के बारे में जो बात ध्यान में रखनी चाहिए वह यह है कि अनुभव अंतिम है, हालाँकि। आप अपनी बाइबल नहीं खोलते और अपने अनुभव के माध्यम से इसे समझना शुरू नहीं करते।

आप इसे तर्क के माध्यम से, परंपरा के माध्यम से समझना शुरू करते हैं, और फिर आप अपने अनुभव को कहानी में लाते हैं। इसलिए, अनुभव का अपना स्थान है, लेकिन वेस्ले के लिए, यह एक तरह से, बाइबल की व्याख्या करने के तरीकों में सबसे कम है। लेकिन इसे वेस्लेयन चतुर्भुज कहा जाता है।

यह वह तरीका था जिससे उन्होंने शास्त्रों का अनुभव किया और उन्हें समझा। तो, आपने पहले भी इस बारे में बात की है, इसलिए आप जानते हैं। ठीक है, फिर बी के तहत, अगर कोई एक शब्द है जो वेस्ली के धर्मशास्त्र को नियंत्रित करेगा, तो वह शब्द अनुग्रह होगा।

वेस्ले का धर्मशास्त्र अनुग्रह का धर्मशास्त्र है। अब, जैसा कि वेस्ले ने कहा, हालाँकि, ईश्वर के अनुग्रह के कई पहलू हैं। अब, मैं पहले वाले पर थोड़ा और समय लगाने जा रहा हूँ क्योंकि दो, तीन, चार और पाँच काफ़ी स्पष्ट होने जा रहे हैं।

लेकिन पहला वह है जिसके बारे में उन्हें वास्तव में महसूस हुआ कि उन्हें अनुग्रह की कैल्विनिस्ट समझ को संतुलित करने के लिए विस्तार से बताने की आवश्यकता है। और पहला वह है जिस पर वह बहुत समय बिताते हैं। आप इसे देख सकते हैं; इसे प्रीवेनिेंट ग्रेस कहा जाता है।

वेस्ली ने प्रीवेनिेंट ग्रेस को मूल रूप से जॉन 1.9 पर आधारित किया है, हालाँकि उनके पास अन्य मार्ग भी हैं जिन पर उन्होंने प्रीवेनिेंट ग्रेस के इस सिद्धांत को आधारित किया है। जॉन 1.9, सच्चा प्रकाश जो हर व्यक्ति को प्रबुद्ध करता है, दुनिया में आ रहा था। यानी, प्रकाश मसीह था।

तो, जॉन वेस्ले ने कहा, ओह, और वैसे, शब्द प्रीवेनिेंट का मतलब सिर्फ़ वह अनुग्रह है जो पहले आता है। तो, जो अनुग्रह पहले आता है वह पहले आता है और यह उद्धार से पहले आता है। दूसरे शब्दों में, यह अनुग्रह है कि दुनिया के हर व्यक्ति के पास यह प्रीवेनिेंट अनुग्रह है।

ठीक है, तो जॉन वेस्ले का मानना था कि चूँकि दुनिया में हर व्यक्ति के पास ईश्वर की कृपा का यह पैमाना है, जिसे प्रीवेनिेंट ग्रेस कहा जाता है, यह मसीह का प्रकाश है, तो उस प्रीवेनिेंट ग्रेस के कुछ पहलू हैं जिनके बारे में उन्होंने प्रचार किया। इसलिए, उनका दावा है कि दुनिया में हर व्यक्ति के पास ईश्वर का बुनियादी ज्ञान है। ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जिसके पास ईश्वर के बारे में कुछ बुनियादी समझ न हो।

और एक तरह से, वह इस मामले में कैल्विन के साथ एकमत होगा। कैल्विन के संस्थान कैसे शुरू होते हैं? हमारे पास जो भी ज्ञान है, यानी सच्चा और ठोस ज्ञान, ईश्वर और खुद के ज्ञान से शुरू होता है। इसलिए, ईश्वर के इस बुनियादी ज्ञान के साथ, वेस्ले का मानना था कि हर किसी के पास यह है।

नंबर दो, वेस्ली का मानना था कि हर किसी को ईश्वर के नैतिक कानून का बुनियादी ज्ञान होना चाहिए। वेस्ली का मानना था कि इस दुनिया में ऐसा कोई नहीं है जिसे यह बुनियादी ज्ञान न हो कि हत्या करना गलत है। बस आपका दिल आपको यही बताता है।

हर किसी को यह समझ है। या फिर यह कि यह गलत है, जैसा कि सी.एस. लुईस ने इस निःस्वार्थता को समझा है। स्वार्थी होना गलत है।

वेस्ली का मानना था कि हर कोई यह जानता था। यह सिर्फ़ बुनियादी ज्ञान है जो पूर्वगामी अनुग्रह के साथ आता है। नंबर तीन, पूर्वगामी अनुग्रह विवेक का अंतिम उद्गम है।

यह ईश्वर की कृपा है कि हर व्यक्ति में विवेक है, और विवेक उस व्यक्ति को बताता है कि क्या सही है और क्या गलत। लेकिन विवेक ईश्वर से आता है। यह हमारे अंदर जन्मजात नहीं है।

यह ईश्वर की पूर्ववर्ती कृपा से आता है। चौथा, स्वतंत्र इच्छा का एक निश्चित माप बहाल हो जाता है। अब, यह वेस्ली के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण हो जाता है।

स्वतंत्र इच्छा की एक निश्चित मात्रा बहाल हो जाती है। कैल्विन या लूथर की तरह, कैल्विन की तरह, वेस्ली का मानना था कि पतन में, हमने अपनी इच्छा की स्वतंत्रता खो दी। हम पतन में पाप के पूर्ण बंधन में आ गए।

उनका मानना था कि। और उन्होंने कहा कि मैं इस मामले में कैल्विन से बस एक बाल की दूरी पर हूँ। इसलिए उनका मानना था कि गिरावट में, हम पूरी तरह से भ्रष्ट थे।

हमने इच्छा की सारी आज़ादी खो दी है। हमारी इच्छा पूरी तरह से बंधन में है। लेकिन उनका मानना था कि पूर्ववर्ती अनुग्रह से, ईश्वर हर व्यक्ति में एक निश्चित मात्रा में स्वतंत्र इच्छा बहाल करता है।

तो, दुनिया में हर किसी के पास कुछ स्वतंत्रता है जिसके द्वारा वे भगवान को हाँ कह सकते हैं। उन्हें भगवान को हाँ कहने से कोई नहीं रोक सकता। इसलिए, वेस्ली दोहरे चुनाव में विश्वास नहीं करते।

उनका मानना है कि यह आज़ादी है, और हर किसी को भगवान को हाँ कहना चाहिए। तो यह नंबर चार है। और मैं आपके साथ सही रहूँगा।

मुझे उम्मीद है कि मैं आखिरी वाला खत्म कर दूँगा, और वापस आऊँगा। नंबर पांच, इस पूर्वगामी अनुग्रह के माध्यम से, परमेश्वर मानवीय दुष्टता को रोकता है। क्योंकि हर किसी को परमेश्वर के अनुग्रह का कुछ एहसास है, हम अब पूरी तरह से भ्रष्ट नहीं हैं।

लेकिन कल्पना करें कि अगर मानवीय दुष्टता पर लगाम न लगाई गई होती तो दुनिया कैसी होती। यह पहले से ही काफी बुरा है, लेकिन कल्पना करें कि अगर मानवीय दुष्टता पूरी दुनिया में फैल गई होती तो दुनिया कैसी होती। यह बहुत बुरा होता।

वेस्ले ने कहा कि यह ईश्वर की कृपा है, उनके पूर्ववर्ती अनुग्रह से, कि मानवीय दुष्टता पर लगाम लगी है। इसलिए, दुनिया उतनी बुरी नहीं है जितनी हो सकती थी। इसलिए, पूर्ववर्ती अनुग्रह जॉन वेस्ले के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण था क्योंकि, एक अर्थ में, इसने उनसे पहले आए धर्मशास्त्र का उत्तर दिया और यहाँ अनुग्रह के धर्मशास्त्र को और अधिक स्थापित करने का प्रयास किया।

यह हम पर ही आता है। यह हर व्यक्ति को दिया जाता है। इसलिए जब आप जन्म लेते हैं, तो आप जीवन में प्रवेश करते हैं, और हर व्यक्ति पर ईश्वर की कृपा होती है, ईश्वर की कृपा का यह

एक प्रकार का निशान, यह पूर्वगामी कृपा। इसलिए उसने सोचा कि कोई भी व्यक्ति इसके बिना नहीं है।

यह जैविक रूप से एक अर्थ में पारित नहीं होता है, जैसा कि ऑगस्टीन ने महसूस किया था कि मूल पाप पारित हो जाता है, लेकिन यह मानवीय स्थिति का एक हिस्सा है। सही, सही। इच्छा का बंधन: वेस्ले का मानना था कि यह पतन का परिणाम था, कि पतन ने एक अर्थ में, इच्छा को बांध दिया।

अब, अगर ईश्वर की पूर्वानुमेय कृपा न होती, तो हम अभी भी इच्छा के उस बंधन में रहते। लूथर जैसे व्यक्ति के साथ उनका तर्क यही था क्योंकि लूथर को लगा कि इच्छा अभी भी बंधन में है, और यह केवल ईश्वर की पूर्वनिर्धारित इच्छा के कारण ही था जिसने कुछ लोगों को उस बंधन से मुक्त किया, ऐसा लूथर ने कहा। अन्य लोगों को उस बंधन में रखा जाता है।

केल्विन आगे आकर कहते हैं, "मैं इससे भी ज़्यादा स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ। मैं कहना चाहता हूँ कि कुछ लोगों को उद्धार पाने और उनके बंधन से मुक्त होने के लिए चुना जाता है। अन्य लोगों को अनंत काल तक उस बंधन में रहने के लिए चुना जाता है।"

वेस्ली आगे आकर कहते हैं, मैं ऐसा नहीं मानता। मेरा मानना है कि हर व्यक्ति, भले ही उसे इच्छाशक्ति का यह बंधन विरासत में मिला हो, अब उसे ईश्वर द्वारा अनुग्रह का यह माप दिया गया है जिसे उन्होंने पूर्वगामी अनुग्रह कहा है और हर व्यक्ति में इच्छाशक्ति की कुछ हद तक स्वतंत्रता है। लेकिन इसीलिए उन्होंने कहा, मैं कैल्विन से बस एक बाल की दूरी पर हूँ क्योंकि जब आप ईश्वर की ओर मुड़ने के लिए अपनी इच्छाशक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग करते हैं, तो ऐसा करने का एकमात्र तरीका अभी भी ईश्वर की कृपा है।

जिस तरह केल्विन का मानना था कि हम ईश्वर की कृपा से बचाए गए हैं, उसी तरह वेस्ली का भी मानना था। हम ईश्वर की कृपा से बचाए गए हैं। अगर उनकी कृपा न होती तो मैं ईश्वर की ओर नहीं मुड़ पाता।

यह नहीं होता, और ऐसा न होने का कारण यह है कि ईश्वर हम में, हर व्यक्ति में हस्तक्षेप करता है, और हर व्यक्ति को यह पूर्वगामी अनुग्रह देता है। तो अनुग्रह का यह माप है, लेकिन इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण है वेस्ली के लिए स्वतंत्रता का मुद्दा क्योंकि वेस्ली का मानना था कि हर व्यक्ति के पास ईश्वर को हाँ कहने की स्वतंत्रता है। ईश्वर को न कहने की स्वतंत्रता, लेकिन ईश्वर को हाँ कहने की भी स्वतंत्रता।

हाँ, जेसन। तो इच्छा की स्वतंत्रता कहाँ से आती है? क्या इसका मसीह से कोई लेना-देना है? ठीक है। यह मसीह में और मसीह के माध्यम से प्रकट होती है।

तो, सच्चा प्रकाश जिसने हर व्यक्ति को प्रबुद्ध किया, वह दुनिया में आ रहा था। बेशक, वह मसीह था। तो, यह मसीह में और उसके माध्यम से प्रकट होता है।

यह मसीह के माध्यम से प्रकट ईश्वर का उपहार है। यह एक अच्छी बात है, मसीह द्वारा प्रकट किया गया क्योंकि यह हमेशा से ऐसा ही रहा है। इसलिए वह मीका के अंश जैसे अंश को देखता है, उसने आपको दिखाया है, हे मनुष्य, क्या अच्छा है।

और प्रभु आपसे क्या अपेक्षा करता है? इसलिए वेस्ली का मानना था कि पुराने नियम में ऐसे स्थान हैं जो इस पूर्ववर्ती अनुग्रह के अर्थ में एक तरह से पूर्वावलोकन देते हैं, कि यह सृष्टि के समय से ही सक्रिय है, लेकिन अब यह मसीह और उसके कार्य में पूरी तरह से प्रकट हुआ है। हाँ, यह एक ऐसा अनुग्रह है जो उद्धार के संपूर्ण संदेश से पहले आता है। यह सभी लोगों के लिए उचित है।

यह है, क्योंकि आप देखेंगे कि हम किस तरह का अगला काम करते हैं, अनुग्रह तब एक बचत अनुग्रह है, पवित्रता, इत्यादि। तो यह वेस्ली के लिए उद्धार से पहले है। हाँ।

वैसे, वेस्ले इस अर्थ में थोड़ा अंतर करते हैं कि सामान्य अनुग्रह ईश्वर का अनुग्रह है जिसे आप प्राकृतिक दुनिया को देखकर महसूस करते हैं। आप प्राकृतिक दुनिया को देखते हैं और आप महसूस करते हैं कि ईश्वर ने इस स्थान पर अपना अनुग्रह दिया है और इस स्थान पर अपने अनुग्रह का प्रयोग किया है, जो उसने हमें दिया है, उस दुनिया के द्वारा जो उसने हमें प्रदान की है। जबकि पूर्ववर्ती अनुग्रह विशेष रूप से वह अनुग्रह है जो वास्तविक उद्धार से पहले आता है।

तो, यह थोड़ा है, और वेस्ली के लिए पूर्ववर्ती अनुग्रह और सामान्य अनुग्रह के बीच एक अंतर है। तो, ठीक है, अब, यदि आप इसे देखें, यह आपके पाठ्यक्रम में है, इसलिए मुझे इसे यहाँ रखने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन क्या होगा यदि वेस्ली का धर्मशास्त्र अनुग्रह की निरंतरता है? पूर्ववर्ती अनुग्रह के बाद क्या होता है? खैर, पूर्ववर्ती अनुग्रह के बाद, फिर बचत अनुग्रह है। कुछ लोग, अपनी स्वतंत्र इच्छा से, इस अनुग्रह को एक बचत अनुग्रह के रूप में स्वीकार करते हैं।

और उद्धार करने वाले अनुग्रह के बाद, पवित्र करने वाला अनुग्रह है। और पवित्र करने वाले अनुग्रह के बाद, साथ में आने वाला अनुग्रह है। और साथ में आने वाले अनुग्रह के बाद, अनंत काल में महिमा देने वाला अनुग्रह है।

इसलिए वेस्ली को लगा कि उनका धर्मशास्त्र अनुग्रह की निरंतरता का धर्मशास्त्र है, जो कि पूर्ववर्ती से शुरू होकर महिमामय अनुग्रह पर समाप्त होता है। और हम उनमें से कुछ को समझाने जा रहे हैं जो बीच में हैं। लेकिन क्या हर कोई, मैं किसी भी तरह से आपसे यह मानने के लिए नहीं कह रहा हूँ।

अगर ऐसा नहीं है, तो मैं आपसे सिर्फ यही पूछ रहा हूँ; मैं यह समझाने की कोशिश कर रहा हूँ कि 18वीं सदी में वेस्ले ने यहाँ क्या कहा था और क्यों कहा था, इत्यादि, लेकिन मैं सिर्फ आपको यह समझाने की कोशिश कर रहा हूँ। ठीक वैसे ही जैसे जब हमने कैल्विन के दोहरे चुनाव के बारे में बात की थी, तो मैं आपको इसे मानने के लिए इस पर व्याख्यान नहीं दे रहा था। आप दोहरे चुनाव में विश्वास कर सकते हैं, लेकिन मैं यहाँ आपको मनाने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ।

क्या आप सभी इससे सहमत हैं? ठीक है, चलिए यहाँ C का उल्लेख करते हैं, सभी लोगों के लिए मुफ्त मुक्ति। सभी लोगों के लिए मुफ्त मुक्ति। मुझे लगता है कि आप कहेंगे कि यह जॉन वेस्ले के धर्मशास्त्र का तीसरा पहलू होगा।

सभी लोगों के लिए मुफ्त उद्धार। खैर, अगर सभी लोगों के लिए मुफ्त उद्धार है तो लोग किससे बचेंगे? लोग किससे बचेंगे? बेशक, वे पाप से बचेंगे। इसलिए वह सभी लोगों के लिए इस मुफ्त उद्धार की शुरुआत करता है। वह पाप की प्रकृति से शुरू करता है।

और जॉन वेस्ले के लिए पाप क्या है? पाप मूल पाप है, लेकिन यह उससे भी बढ़कर है। जॉन वेस्ले के लिए पाप एक क्रिया भी है। पाप ईश्वर के ज्ञात कानून का उल्लंघन है।

तो, जहाँ तक वेस्ली का सवाल है, आप परमेश्वर के ज्ञात नियम का उल्लंघन करते हैं, यही पाप है। और सभी लोगों के लिए मुफ्त मुक्ति क्या है? लोग किससे बचाए जाते हैं? वे परमेश्वर की कृपा से पाप से बचाए जाते हैं। और वे इसका जवाब कैसे देते हैं? वे विश्वास से, अपनी स्वतंत्र इच्छा से, अपनी स्वतंत्र इच्छा के ज़रिए इसका जवाब देते हैं।

अब, वेस्ली का मानना था कि सभी लोगों को बचाया जा सकता है। इसलिए इसे सभी लोगों के लिए मुफ्त उद्धार कहा जाता है। उनका मानना था कि मसीह की मृत्यु चुने हुए लोगों के लिए नहीं थी, बल्कि मसीह की मृत्यु सभी के लिए थी।

इसलिए, उनका मानना था कि सभी लोगों को बचाया जा सकता है। मूल रूप से, उनका यह भी मानना था कि जब लोग बचाए गए और मसीह में जीवन जी रहे थे, तो वे उस उद्धार में बने रहे, हालाँकि उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ लोग अनुग्रह से गिर गए। और वे अनुग्रह से क्यों गिर गए? क्योंकि उनके पास स्वतंत्र इच्छा थी।

इसलिए, किसी भी चीज़ ने उनकी स्वतंत्र इच्छा को उनसे दूर नहीं किया है। उनके पास अभी भी ईश्वर को ना कहने की स्वतंत्र इच्छा है, भले ही वे आस्तिक हों। ठीक है, वेस्ली के लिए इसकी संभावना क्या है? यह बहुत ही असंभव है क्योंकि एक बार जब आप प्रकाश में चल रहे होते हैं, तो आप प्रकाश में ही रहना चाहते हैं।

तो, ठीक है, आप इससे ठीक हैं। अगला चरण है डी, सभी पापों से पूर्ण मुक्ति। मैंने आज आपको किसी भी तरह का ब्रेक नहीं दिया है।

मुझे तुम्हें थोड़ा आराम देना है। तो, यहाँ आराम करो। 10 सेकंड का आराम लो क्योंकि आज शुक्रवार है।

तो, आपको शुक्रवार को अतिरिक्त समय मिलना चाहिए। हाँ, मैं बस थोड़ा सा समय निकाल रहा हूँ। हाँ, मैंने सुना।

मैं यहाँ उन कराहों को सुन रहा हूँ। क्या आज किसी की परीक्षा है? क्या आज कोई परीक्षा है? नहीं, तो फिर तुम ठीक हो, है न? आज तुम्हारी परीक्षा है, कोबे? आज तुम्हारी ग्रीक परीक्षा है। अभी क्या समय है, कोबे? 11:25.

मैं तुम्हें शुभकामना देता हूँ, कोबे। ग्रीक परीक्षा में अच्छा समय बिताओ। ग्रीक परीक्षा का दिन।

क्या इस सेमेस्टर में कोई और ग्रीक में है? आप में से कुछ लोग पहले ग्रीक में डॉ. हिल्डेब्रांड रह चुके हैं। ठीक है, ठीक है। तो, अब कोबे का हौसला बढ़ाइए।

आप में से जो लोग इस कोर्स में शामिल हुए हैं, वे उसे प्रोत्साहित करते हैं। वह अच्छा करने जा रहा है। ठीक है, चलो आगे बढ़ते हैं। मुझे लगता है कि मुझे नंबर डी के तहत सबसे ज्यादा बदनाम किया जा सकता है। इसे सभी पापों से पूर्ण मुक्ति कहा जाता है।

सभी पापों से पूर्ण मुक्ति। ठीक है, वेस्ली सभी पापों से पूर्ण मुक्ति में क्या विश्वास करता था? ठीक है। खैर, वेस्ली को कैल्विन और लूथर से प्यार है, और इस बारे में कोई संदेह नहीं है।

उनका मानना है कि उन्होंने चर्च को स्वतंत्र किया है और चर्च में बहुत कुछ किया है। हालाँकि, कुछ जगहों पर वे कैल्विन और लूथर से असहमत हैं। उनका मानना है कि कैल्विन और लूथर मसीह की आरोपित धार्मिकता के बारे में बात करने में सही थे।

वे इस बारे में बात करने में सही थे। वे इस पर ज़ोर देने में सही थे। ठीक है, अब मसीह की आरोपित धार्मिकता का अर्थ है कि मसीह हमें अपनी धार्मिकता से ढकता है।

तो, मसीह की धार्मिकता विश्वासी को ढक लेती है, एक तरह से आवरण की तरह। ताकि जब परमेश्वर हमारी ओर देखे, तो वह क्या देखे? जब वह हमारी ओर देखता है, तो वह मसीह की धार्मिकता को देखता है। लेकिन लूथर जैसे किसी व्यक्ति के लिए वह आरोपित धार्मिकता अभी भी हमारे पाप को ढक रही है।

याद है हमने सिमुल जस्टस एट पेकेटर का जिक्र किया था ? याद है हमने इस बारे में बात की थी? सिमुल जस्टस एट पेकेटर का मतलब लूथर के लिए एक ही समय में यह है कि मैं न्यायसंगत हूँ, लेकिन मैं अभी भी एक पापी हूँ। इसलिए, लूथर का मानना था कि मसीह में, मैं उसकी धार्मिकता के द्वारा न्यायसंगत हूँ। मैं न्यायसंगत हूँ।

लेकिन मैं अपने आप में अभी भी पापी हूँ और मैं मरने तक ऐसा ही रहूँगा। तो यह आरोपित धार्मिकता है। अब वेस्ली आता है और कहता है, ठीक है, निश्चित रूप से मसीह की आरोपित धार्मिकता है, इसमें कोई संदेह नहीं है।

लेकिन वेस्ली के लिए कहानी का अंत यहीं नहीं है। क्योंकि वेस्ली के लिए कहानी का अंत यह है कि मसीह न केवल हमें अपनी धार्मिकता देता है, बल्कि वह इसे हमारे अंदर भी भरता है। मसीह की धार्मिकता मेरी धार्मिकता बन जाती है।

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ फिर भी मैं जीवित हूँ, फिर भी मैं नहीं, बल्कि मसीह मुझमें रहता है। इसलिए, वेस्ली के लिए, प्रदान की गई धार्मिकता भी ईसाई कहानी का हिस्सा है। यह मसीह है जो विश्वासी में निवास करता है।

यह मसीह है जो विश्वासियों में रहता है। यह मसीह मुझमें है, वेस्ली के लिए महिमा की आशा जैसी चीज़।

अब, वह इसे पूर्ण उद्धार कहते हैं। वह इसे पवित्रीकरण कहते हैं। इसके लिए उनका पसंदीदा शब्द था पूर्ण प्रेम।

और वह जिस कारण से परिपूर्ण प्रेम शब्द का उपयोग करता है, वह उस अंश के कारण है जिसे हमारे भक्ति पाठ, मैथ्यू अध्याय 22 में उद्धृत किया गया था। अपने प्रभु परमेश्वर से अपने पूरे दिल, दिमाग और आत्मा से प्रेम करो, और अपने पड़ोसी से वैसा ही प्रेम करो जैसा तुम करते हो। परमेश्वर से अपने पूरे अस्तित्व से प्रेम करो और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।

वेस्ली के अनुसार, यही वह है जिसके लिए हमें आज्ञाकारिता में बुलाया गया है। यही पूर्ण प्रेम है। ईश्वर से पूर्ण प्रेम करना, अपने पड़ोसी से पूर्ण प्रेम करना। यही है पूर्ण रूप से ईसाई होने का अर्थ।

यही तो पूर्ण प्रेम का अर्थ है। तो अब, मैं यहाँ ग्रीक विद्वानों के बीच में हूँ, इसलिए मैं इस मुद्दे पर जोर नहीं दूँगा। लेकिन टेड मेरी इसमें मदद कर सकता है, और मैं टेड को बुलाने नहीं जा रहा हूँ।

लेकिन परफेक्ट का मतलब ग्रीक अर्थ में परफेक्ट नहीं है, जिस अर्थ में हम इसे अंग्रेजी में परफेक्ट समझते हैं। हम अंग्रेजी में एक हीरे के बारे में सोचते हैं जो परफेक्ट है। अगर हम कहते हैं कि हीरा परफेक्ट है, तो हमारा मतलब है कि उस हीरे में एक भी दोष नहीं है।

उस हीरे में एक भी खरोंच नहीं है। वह हीरा एकदम सही है। इस अर्थ में सही का मतलब यह नहीं है।

इस अर्थ में, परिपूर्ण का अर्थ है एक ही लक्ष्य को ध्यान में रखना, एक ही लक्ष्य को ध्यान में रखना, और एक तरह से ईश्वर का मन होना। और क्या विश्वासी ऐसा कर सकता है? वेस्ली ने कहा हाँ, मुझे लगता है कि विश्वासी ऐसा कर सकता है क्योंकि यीशु ने इसकी आज्ञा दी है। अपने पूरे अस्तित्व के साथ ईश्वर से प्रेम करो, और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।

या फिर माउंट पर उपदेश से, जैसे ईश्वर परिपूर्ण है वैसे ही परिपूर्ण बनो। अब वेस्ली ने तुरंत कहा कि यह मानवीय पूर्णतावाद नहीं है जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूँ। यह मानवीय पूर्णतावाद नहीं है।

यह ईसाई पूर्णता है, मानवीय पूर्णता नहीं। मानवीय पूर्णतावाद जैसी कोई चीज़ नहीं है। मानवीय रूप से परिपूर्ण बनो। यह संभव नहीं है।

क्या आप मसीह में परिपूर्ण हो सकते हैं? क्या आप यीशु के उस आदेश का पूरी तरह से पालन कर सकते हैं कि आप अपने पूरे दिल, दिमाग और आत्मा से परमेश्वर से प्यार करते हैं, और आप अपने पड़ोसी से अपने जैसा प्यार करते हैं? वेस्ली का मानना था कि यह वास्तव में संभव है। इसलिए उन्होंने इस तरह की एक इंजील पूर्णता कहा। इस पूर्णता के साथ जो होता है वह यह है कि यह कई तरीकों से खुद को सुलझाती है, लेकिन इसके दो निष्कर्ष हैं जो वेस्ली को बहुत महत्वपूर्ण लगे।

ठीक है, हमारे पास इसके लिए समय नहीं है, इसलिए हम सोमवार को इसे जल्दी से जल्दी खत्म कर देंगे। सोमवार को हमारे पास बहुत से आगंतुक आएंगे, और क्या आपको पता है, यह वह समय है जब मैं उदार धर्मशास्त्र पर अपना व्याख्यान शुरू करूंगा। तो, वाह, यह जी.ई. दिवस है, और मैं उदार धर्मशास्त्र के बारे में बात कर रहा हूँ।

लेकिन यह वह जगह है जहाँ हम व्याख्यान में हैं, इसलिए कम से कम मैं सेक्स या कुछ और पर व्याख्यान नहीं दे रहा हूँ, इसलिए उदार धर्मशास्त्र। तो, हम आपसे सोमवार को मिलेंगे, और एक अच्छा सप्ताहांत बिताएंगे।

यह डॉ. रोजर ग्रीन अपने चर्च इतिहास पाठ्यक्रम, रिफॉर्मेशन टू द प्रेजेंट में हैं। यह चार्ल्स और जॉन वेस्ली पर सत्र 14 है।